चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 01 सितंबर 2026, अंक –347.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

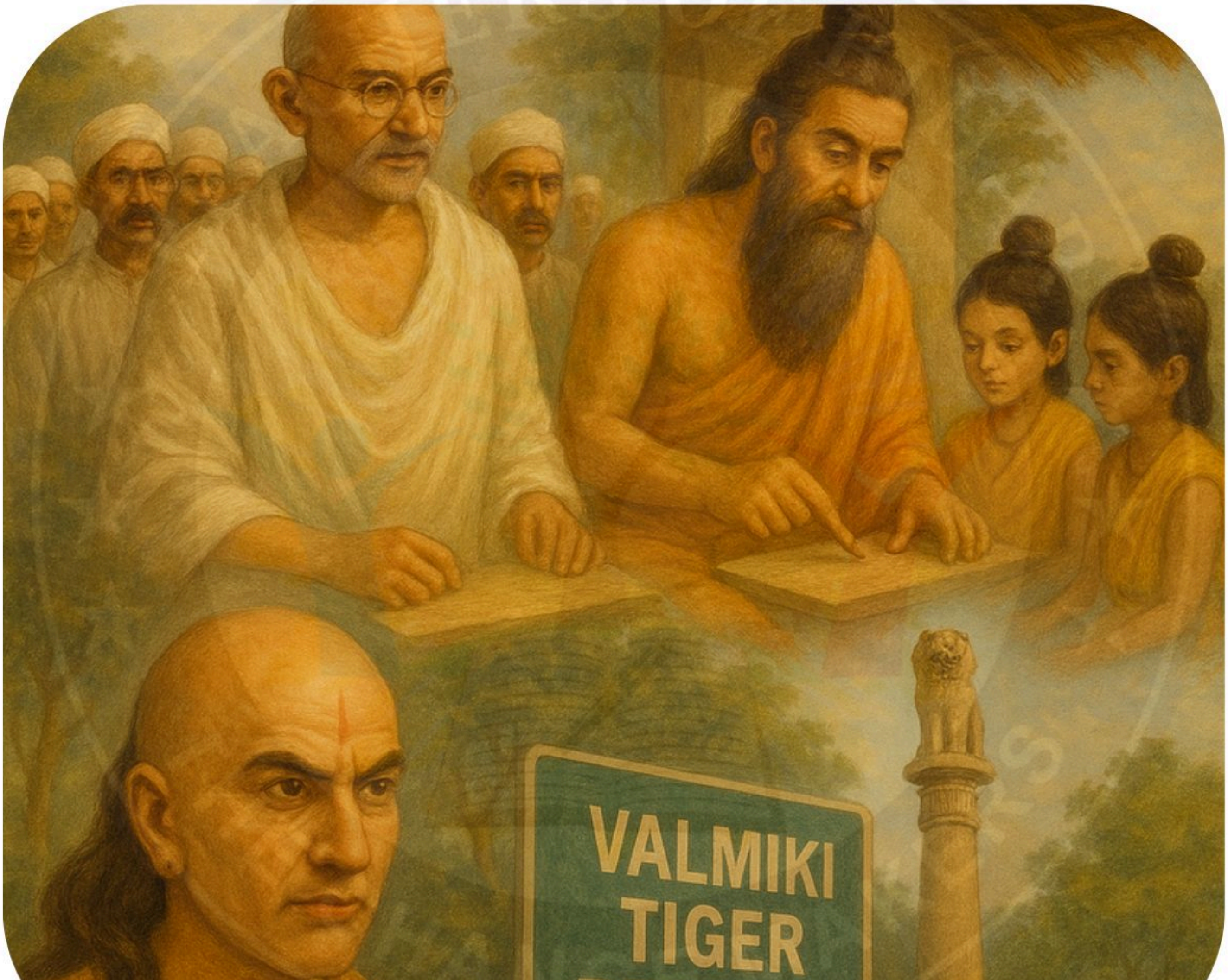

"गलतियां करना यह दर्शाता है कि आप प्रयास कर रहे हैं।"

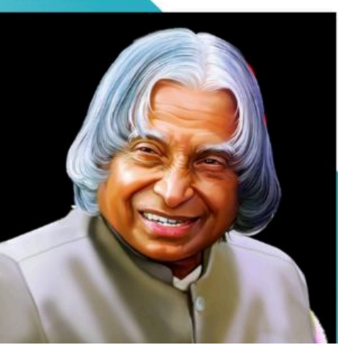

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बना नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से भी अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

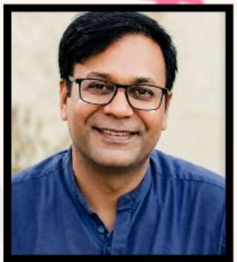

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. मंगोलिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: उलानबटार
प्रश्न 2. भारत में पहली बार व्यक्तिगत सत्याग्रह करने वाले व्यक्ति कौन थे?
उत्तर: विनोबा भावे
प्रश्न 3. 'कथकली' किस राज्य की प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य-शैली है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 4. एक त्रिभुज के तीनों कोणों का योग कितना होता है?
उत्तर: 180°
प्रश्न 5. बिहार का 'गोलघर' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: पटना
प्रश्न 6. भारत का राष्ट्रीय वृक्ष कौन-सा है?
उत्तर: बरगद
प्रश्न 7. रेडियो का आविष्कार किस वैज्ञानिक से सामान्यत: जोड़ा जाता है?
उत्तर: गुग्लिएल्मो मारकोनी
प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रपति को पद की शपथ कौन दिलाता है?
उत्तर: सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
प्रश्न 9. 'अनेक' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: एक
प्रश्न 10. पानी का उबलना किस प्रकार का परिवर्तन है?
उत्तर: भौतिक परिवर्तन

संकलन:-

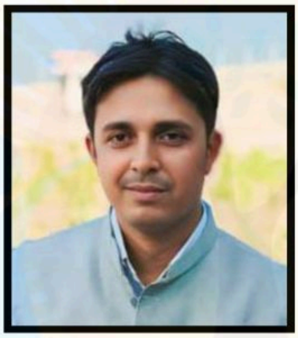

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Cactus – (कैक्टस) – नागफनी
Bamboo – (बैम्बू) – बाँस
Creeper – (क्रीपर) – ज़मीन पर फैलने वाली लता
Climber – (क्लाइम्बर) – सहारे से चढ़ने वाला पौधा
Herb – (हर्ब) – जड़ी-बूटी
Shrubbery – (श्रबरी) – झाड़ियों का समूह
Orchard – (ऑर्चर्ड) – फलों का बगीचा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Simple Future Tense – "किसके साथ ... करोगे/करोगी?" (Who will you ... with?)

तुम किसके साथ पढ़ोगे/पढ़ोगी? – Who will you study with?
तुम किसके साथ खेलोगे/खेलोगी? – Who will you play with?
तुम किसके साथ स्कूल जाओगे/जाओगी? – Who will you go to school with?
तुम किसके साथ खाना खाओगे/खाओगी? – Who will you eat with?
तुम किसके साथ यात्रा करोगे/करोगी? – Who will you travel with?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 1 से 7 सितंबर तक भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों में कुपोषण उन्मूलन हेतु कौन-सा राष्ट्रीय अभियान आयोजित किया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: राष्ट्रीय पोषण सप्ताह (National Nutrition Week)
व्याख्या: भारत में 1 से 7 सितंबर तक प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत केंद्रीय खाद्य एवं पोषण बोर्ड द्वारा 1982 में की गई थी। इसके साथ ही पूरे सितंबर माह को 'राष्ट्रीय पोषण माह' (POSHAN Maah) के रूप में आयोजित किया जाता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य संतुलित आहार, सूक्ष्म पोषक तत्वों (आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन-ए) के सेवन, स्तनपान के महत्व तथा बच्चों और माताओं में रक्ताल्पता (एनीमिया) एवं कुपोषण से बचाव के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना है।
संदर्भ: Ministry of Women and Child Development (MWCD) POSHAN Abhiyaan Guidelines; NCERT Class 6 Science, Ch 2 Components of Food, p. 8–15;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत निर्वाचन आयोग (ECI) द्वारा चुनाव प्रक्रिया को अधिक समावेशी और सुगम बनाने हेतु दूरदराज के क्षेत्रों के लिए किस उन्नत तकनीक-आधारित पहल का विस्तार किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: होम वोटिंग एवं सक्षम ऐप (Saksham App)
व्याख्या: सितंबर 2026 में भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और 40% से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं के लिए 'होम वोटिंग' (घर से मतदान) और 'सक्षम ऐप' (Saksham App) के एकीकृत डिजिटल प्रारूप का राष्ट्रव्यापी विस्तार किया। इसके अंतर्गत चुनावी पारदर्शिता बनाए रखने हेतु दो मतदान अधिकारियों, एक वीडियोग्राफर और सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति में डाक मतपत्र (Postal Ballot) के माध्यम से पूर्ण गोपनीयता के साथ मतदान कराया जाता है। यह पहल 'कोई मतदाता न छूटे' के लोकतांत्रिक संकल्प को सुदृढ़ करती है।
संदर्भ: Election Commission of India (ECI) Official Press Release August/September 2026; NCERT Political Science Class 9, Ch 3 Electoral Politics, p. 35–48;

प्र.3. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध प्रबंध काव्य है, जिसमें महाभारत के पात्र 'कर्ण' के चरित्र, त्याग, शौर्य और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का ओजस्वी चित्रण किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: रश्मिरथी (1952)
व्याख्या: 'रश्मिरथी' (जिसका शाब्दिक अर्थ है 'सूर्य की किरणों के रथ पर सवार') राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित सात सर्गों का एक अमर खंडकाव्य है। यह महाभारत के उपेक्षित महानायक कर्ण के नैतिक द्वंद्व, दानवीरता, निष्ठा और आत्म-सम्मान पर केंद्रित है। दिनकर जी ने कर्ण के माध्यम से जन्म आधारित श्रेष्ठता को नकारते हुए कर्म और योग्यता की प्रतिष्ठा की है। "वर्षों तक वन में घूम-घूम, बाधा-विघ्नों को चूम-चूम" और "कृष्ण की चेतावनी" जैसे प्रसंग हिंदी साहित्य के सबसे ओजस्वी काव्यांश माने जाते हैं।
संदर्भ: रामधारी सिंह दिनकर — 'रश्मिरथी', लोकभारती प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अभिव्यक्ति और माध्यम संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक अनुक्रमण (Ecological Succession) के अंतर्गत किसी नग्न चट्टान पर जीवन का प्रारंभ करने वाली प्रथम आग्रगामी (Pioneer) प्रजाति कौन-सी होती है, जो कवक और शैवाल का सहजीवी रूप है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: लाइकेन (Lichen)
व्याख्या: प्राथमिक पारिस्थितिक अनुक्रमण में नग्न शैल (चट्टान) पर जीवन शुरू करने वाले प्राथमिक जीव 'लाइकेन' होते हैं। लाइकेन कवक (Fungus) और शैवाल (Alga) के बीच सहजीविता (Symbiosis) का उदाहरण हैं। लाइकेन चट्टानों पर चिपककर कार्बनिक अम्ल स्रावित करते हैं, जिससे चट्टानों का अपक्षय (Weathering) होता है और वे बारीक मिट्टी में बदलने लगती हैं। इसके बाद मॉस (Bryophytes) और छोटे पौधे उगते हैं। इसके अतिरिक्त लाइकेन वायु में सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2) के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं, इसलिए इन्हें वायु प्रदूषण का प्राकृतिक जैव-सूचक माना जाता है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 266–268;

प्र.5. 1192 ईस्वी में लड़े गए 'तराइन के द्वितीय युद्ध' में किस राजपूत शासक की पराजय के पश्चात भारत में दिल्ली सल्तनत और मुस्लिम शासन की आधारशिला रखी गई थी? (इतिहास)
उत्तर: पृथ्वीराज चौहान (पृथ्वीराज तृतीय)
व्याख्या: 1192 ईस्वी में तराइन (वर्तमान हरियाणा के करनाल जिले) के मैदान में अजमेर और दिल्ली के चौहान वंशीय शासक पृथ्वीराज तृतीय (पृथ्वीराज चौहान) और शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी के मध्य ऐतिहासिक द्वितीय युद्ध लड़ा गया। 1191 के प्रथम युद्ध में गोरी पराजित हुआ था, किंतु द्वितीय युद्ध में गोरी ने बेहतर सैन्य रणनीति और घुड़सवार धनुर्धरों के बल पर विजय प्राप्त की। इस युद्ध ने भारत में तुर्क साम्राज्य और आगे चलकर 1206 ईस्वी में कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा 'दिल्ली सल्तनत' की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।
संदर्भ: NCERT History Class 7 (हमारे अतीत-2), Ch 2 "नए राजा और उनके राज्य", p. 18–20;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत की पश्चिम की ओर बहने वाली सबसे लंबी नदी कौन-सी है, जो अमरकंटक पठार से निकलकर भ्रंश घाटी (Rift Valley) से बहती हुई अरब सागर में गिरती है? (भूगोल)
उत्तर: नर्मदा नदी (Narmada River)
व्याख्या: नर्मदा नदी प्रायद्वीपीय भारत की पश्चिम दिशा में बहने वाली सबसे लंबी नदी (लगभग 1,312 किमी) है। इसका उद्गम मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मैकाल पर्वत श्रृंखला के अमरकंटक शिखर से होता है। यह उत्तर में विंध्याचल और दक्षिण में सतपुड़ा पर्वत श्रेणियों के मध्य एक भ्रंश घाटी (Rift Valley) से होकर बहती है। जबलपुर के पास संगमरमर की चट्टानों में यह विख्यात 'धुआंधार जलप्रपात' बनाती है। यह नदी डेल्टा न बनाकर गुजरात के भड़ौच के निकट खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में ज्वारनदमुख (Estuary) का निर्माण करती है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 21–23;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत देश में युद्ध, बाह्य आक्रमण अथवा सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में भारत के राष्ट्रपति द्वारा 'राष्ट्रीय आपातकाल' घोषित किया जा सकता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 352 (National Emergency)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XVIII में आपातकालीन प्रावधान दिए गए हैं। अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि यदि युद्ध, बाह्य आक्रमण या 'सशस्त्र विद्रोह' से भारत या उसके किसी भाग की सुरक्षा खतरे में हो, तो वे मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर सकते हैं। 44वें संविधान संशोधन (1978) द्वारा 'आंतरिक अशांति' शब्द को हटाकर 'सशस्त्र विद्रोह' किया गया था। राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान अनुच्छेद 20 (अपराधों के लिए दोषसिद्धि के संबंध में संरक्षण) और अनुच्छेद 21 (प्राण और दैहिक स्वतंत्रता) को किसी भी स्थिति में निलंबित नहीं किया जा सकता।
संदर्भ: Constitution of India, Part XVIII, Article 352; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 4 Executive, p. 88–92; UPSC GS-II Reference.

प्र.8. वाहनों के विद्युत परिपथ एवं घरेलू वायरिंग में अत्यधिक धारा (Overloading) या शॉर्ट सर्किट से उपकरणों को जलने से बचाने हेतु उपयोग किया जाने वाला 'विद्युत फ्यूज' किस सिद्धांत पर कार्य करता है? (विज्ञान)
उत्तर: विद्युत धारा का तापीय प्रभाव (Joule's Heating Effect)
व्याख्या: विद्युत फ्यूज एक सुरक्षा युक्ति है, जिसे विद्युत परिपथ में मुख्य लाइन के साथ श्रेणीक्रम (Series) में जोड़ा जाता है। यह सीसा और टिन (Pb + Sn) की मिश्रधातु से बने एक पतले तार से निर्मित होता है, जिसका गलनांक (Melting Point) बहुत कम और प्रतिरोध अपेक्षाकृत उच्च होता है। जब परिपथ में अनुमेय सीमा से अधिक धारा बहती है, तो जूल के तापीय प्रभाव (H = I^2Rt) के कारण तार अत्यधिक गर्म होकर तुरंत पिघल जाता है और परिपथ टूट जाता है। इससे कीमती उपकरण खराब होने और आग लगने का खतरा टल जाता है।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (Electricity), p. 238–241;

प्र.9. भरत मुनि द्वारा रचित संस्कृत का वह कौन-सा प्राचीनतम प्रामाणिक ग्रंथ है जिसे भारतीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य और नाट्यकला का 'पंचम वेद' कहा जाता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: नाट्यशास्त्र (Natya Shastra)
व्याख्या: 'नाट्यशास्त्र' दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के मध्य ऋषि भरत मुनि द्वारा रचित भारतीय प्रदर्शन कला (नाट्य, नृत्य और संगीत) का विश्वकोशीय मूल ग्रंथ है। इसे ऋग्वेद से पाठ्य, सामवेद से गान, यजुर्वेद से अभिनय और अथर्ववेद से रस लेकर रचित 'पंचम वेद' माना गया है। इसमें नाट्यमंडप की संरचना, अभिनय के चार भेद (आंगिक, वाचिक, आहार्य, सात्विक), संगीत के 22 श्रुतियों, रागों और सबसे महत्वपूर्ण 'रस सिद्धांत' (विभाव, अनुभाव, व्यभिचारी भाव के संयोग से रस निष्पत्ति) का वैज्ञानिक व दार्शनिक विवेचन मिलता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय);

प्र.10. बिहार के कैमूर पठार पर रोहतास जिले में सोन नदी के तट पर स्थित वह कौन-सा दुर्भेद्य मध्यकालीन किला है, जिसका पुनर्निर्माण 16वीं शताब्दी में अफगान शासक शेरशाह सूरी ने करवाया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: रोहतासगढ़ किला (Rohtasgarh Fort)
व्याख्या: रोहतासगढ़ किला बिहार के रोहतास जिले में कैमूर पहाड़ियों पर समुद्र तल से लगभग 1,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित भारत के सबसे विशाल और प्राचीन गिरि-दुर्गों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसका निर्माण राजा हरिश्चंद्र के पुत्र रोहिताश्व ने कराया था। 1538 ईस्वी में शेरशाह सूरी ने रणनीतिक रूप से इस पर अधिकार कर इसका विस्तार व सुदृढ़ीकरण कराया। बाद में मुगल काल में अकबर के प्रधान सेनापति राजा मानसिंह ने बिहार और बंगाल का सूबेदार रहते हुए इसे अपना प्रशासनिक मुख्यालय बनाया और भव्य महल व बारादरी का निर्माण कराया।
संदर्भ: Archaeological Survey of India (ASI) Patna Circle; Bihar Tourism Development Records;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (सुरक्षित शनिवार: अगस्त W4 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि कोई व्यक्ति अनजाने में गहरे पानी में गिर जाए और उसे तैरना न आता हो, तो डूबने से बचने हेतु 'अस्तित्व तैराकी' (जल पर पीठ के बल लेटने / Survival Floating) की क्या सही तकनीक है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: शांत रहें, फेफड़ों में हवा भरें, पीठ के बल लेटकर तैरें (Back Floating)

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' प्रशिक्षण मॉड्यूल और एनडीआरएफ (NDRF) के जल-सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार, गहरे पानी में गिरने पर घबराहट और हाथ-पैर पटकने से ऊर्जा तेजी से नष्ट होती है और पानी फेफड़ों में भर जाता है। इसके विपरीत 'सर्वाइवल फ्लोटिंग' (पीठ के बल तैरना) तकनीक अपनानी चाहिए: (1) पूर्णतः शांत रहें और घबराकर हाथ-पैर न चलाएं; (2) सिर को पीछे की ओर झुकाकर कान पानी में डुबोए रखें और ठुड्डी को आकाश की ओर सीधा रखें; (3) फेफड़ों में पूरी हवा भरकर रखें क्योंकि हवा भरे फेफड़े प्राकृतिक 'लाइफ जैकेट' की तरह शरीर को पानी की सतह पर तैराए रखते हैं; (4) हाथों और पैरों को पानी के भीतर फैलाकर हल्के-हल्के हिलाते हुए केवल अपनी नाक और मुंह को पानी से बाहर रखकर सांस लें।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module August W4 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव"; National Disaster Response Force (NDRF) Aquatic Safety Standard SOP.

प्र.12. एक व्यक्ति बिंदु A से उत्तर दिशा में 8 मीटर चलता है, फिर दाएँ मुड़कर 6 मीटर चलता है और बिंदु B पर पहुँचता है। बताइए बिंदु A से बिंदु B की सीधी (न्यूनतम) दूरी और दिशा क्या है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 10 मीटर; उत्तर-पूर्व दिशा

व्याख्या: यह दिशा-परीक्षण और पाइथागोरस प्रमेय पर आधारित तार्किक गणितीय प्रश्न है। प्रारंभिक बिंदु A से व्यक्ति उत्तर की ओर 8 मीटर जाता है (लम्ब = 8 मीटर), फिर दाएँ मुड़कर पूर्व दिशा में 6 मीटर चलता है (आधार = 6 मीटर)। इससे एक समकोण त्रिभुज बनता है जिसमें A से B की सीधी दूरी कर्ण (Hypotenuse) होगी। सूत्र: कर्ण = वर्गमूल(लम्ब^2 + आधार^2) = वर्गमूल(8^2 + 6^2) = वर्गमूल(64 + 36) = वर्गमूल(100) = 10 मीटर। प्रारंभिक बिंदु A के सापेक्ष बिंदु B उत्तर और पूर्व के मध्य स्थित है, अतः सीधी दूरी 10 मीटर और दिशा उत्तर-पूर्व है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 6 "त्रिभुज और उसके गुण" (पाइथागोरस गुण), p. 138–142;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

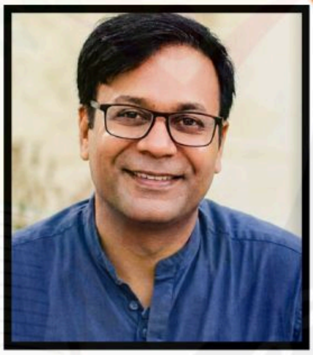

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Avarice (ऐवरिस) = Greed (ग्रीड) = लालच / लोभ

Antonym – Generosity (जेनरोसिटी) = उदारता

Belligerence (बेलिजरन्स) = Aggressiveness (अग्रेसिवनेस) = आक्रामकता / लड़ाकूपन

Antonym – Amicability (ऐमिकेबिलिटी) = मित्रता / सौहार्द

Convivial (कनविवियल) = Festive (फेस्टिव) = हँसमुख / मिलनसार / आनंदपूर्ण

Antonym – Gloomy (ग्लूमी) = उदास / निराशाजनक

Discerning (डिसर्निंग) = Perceptive (परसेप्टिव) = सूक्ष्म अंतर पहचानने वाला / विवेकशील

Antonym – Uncritical (अनक्रिटिकल) = बिना विवेक के स्वीकार करने वाला

Equivocal (इक्विवोकल) = Ambiguous (ऐम्बिग्युअस) = संदिग्ध / अस्पष्ट / दो अर्थों वाला

Antonym – Unambiguous (अनऐम्बिग्युअस) = स्पष्ट / निर्विवाद

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Electronics and Information Technology Notifies 'National Quantum Key Distribution & Secure Network Architecture 2026'.
हिन्दी अनुवाद: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 'राष्ट्रीय क्वांटम की-डिस्ट्रीब्यूशन एवं सुरक्षित नेटवर्क अवसंरचना 2026' अधिसूचित की।
राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (NQM) के रणनीतिक विस्तार के तहत केंद्र सरकार ने देश के रक्षा प्रतिष्ठानों, बैंकिंग कोर नेटवर्क्स और महत्वपूर्ण डिजिटल बुनियादी ढांचे को पोस्ट-क्वांटम साइबर हमलों से सुरक्षित करने के लिए नए तकनीकी मानक लागू किए हैं। इसके तहत प्रमुख सार्वजनिक संस्थानों और डेटा केंद्रों में स्वदेशी क्वांटम संचार प्रोटोकॉल का चरणबद्ध एकीकरण अनिवार्य किया गया है।

English Headline: NITI Aayog Releases 'National Sustainable Agri-Logistics and Post-Harvest Grid Index 2026', Highlighting Multi-Modal Cargo Movement.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने मल्टी-मॉडल कार्गो आवागमन को रेखांकित करते हुए 'राष्ट्रीय सतत कृषि-लॉजिस्टिक्स एवं फसल-उपरांत ग्रिड सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम मूल्यांकन में कृषि उपज की बर्बादी रोकने, समर्पित माल गलियारों (DFC) के उपयोग और किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) के साथ सौर-ऊर्जा संचालित कोल्ड-चेन नेटवर्क के विस्तार में गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह रिपोर्ट राष्ट्रीय रसद नीति (NLP) के लक्ष्यों की प्रगति का समग्र विश्लेषण करती है।

English Headline: ISRO Completes Integrated High-Altitude Hot Test of Advanced Semi-Cryogenic Booster Stage for Heavy Launch Vehicles.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने भारी प्रक्षेपण वाहनों के लिए उन्नत सेमी-क्रायोजेनिक बूस्टर चरण का एकीकृत उच्च-ऊंचाई हॉट परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (IPRC) में अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण वाहनों (NGLV) के सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफल वैक्यूम परीक्षण किया। यह तकनीक आगामी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) के मॉड्यूल और गहरे अंतरिक्ष विज्ञान अभियानों के लिए पेलोड वहन क्षमता को मजबूती प्रदान करेगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN General Assembly Adopts Global Comprehensive Framework for Responsible Governance of Autonomous AI and Critical Infrastructure Security.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्वायत्त एआई के जिम्मेदार शासन और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा सुरक्षा के लिए वैश्विक व्यापक रूपरेखा अपनाई।
न्यूयॉर्क में आयोजित विशेष सत्र के दौरान संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों ने उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के पारदर्शी, सुरक्षित और नैतिक उपयोग के लिए एक सर्वसम्मत अंतरराष्ट्रीय समझौते को मंजूरी दी। इसका मुख्य उद्देश्य महत्वपूर्ण ऊर्जा व वित्तीय ग्रिडों पर साइबर हमलों को रोकना और विकासशील देशों में डिजिटल डेटा संप्रभुता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

English Headline: World Bank and Asian Development Bank Commit Joint $4.6 Billion Facility for South Asian Clean Energy and Cross-Border Grid Integration.
हिन्दी अनुवाद: विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक ने दक्षिण एशियाई स्वच्छ ऊर्जा और सीमा पार ग्रिड एकीकरण के लिए संयुक्त $4.6 बिलियन की सुविधा की घोषणा की।
दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय ऊर्जा सुरक्षा और गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए यह बहुपक्षीय वित्तीय पैकेज स्वीकृत किया गया है। इस राशि का उपयोग भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश के बीच उच्च-क्षमता वाली ट्रांसमिशन लाइनों के आधुनिकीकरण और सीमा पार बिजली व्यापार को सुगम बनाने में होगा।

English Headline: World Health Organization (WHO) Activates 'Global Climate-Sensitive Pathogen Genomics Early Warning Network 5.6'.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जलवायु-संवेदनशील रोगजनकों के लिए 'ग्लोबल पैथोजन जीनोमिक्स अर्ली वार्निंग नेटवर्क 5.6' सक्रिय किया।
बढ़ते वैश्विक तापमान और अप्रत्याशित वर्षा चक्रों के कारण उभरने वाले वेक्टर-जनित व जूनोटिक संक्रामक रोगों (जैसे डेंगू, मलेरिया और जीका) के म्यूटेशन की समय रहते पहचान के लिए डब्ल्यूएचओ ने इस डिजिटल प्लेटफॉर्म का विस्तार किया है। यह नेटवर्क जीनोमिक डेटा का वास्तविक समय में विश्लेषण कर वैश्विक अलर्ट जारी करेगा।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Cabinet Approves 'Mukhyamantri Mega Agro-Processing and Export Promotion Hub Scheme 2026' for GI-Tagged Farm Products.
हिन्दी अनुवाद: बिहार कैबिनेट ने जीआई-टैग कृषि उत्पादों के लिए 'मुख्यमंत्री मेगा कृषि-प्रसंस्करण एवं निर्यात प्रोत्साहन हब योजना 2026' को मंजूरी दी।
राज्य के पारंपरिक और भौगोलिक संकेतक (GI) प्रमाणित उत्पादों—विशेष रूप से मिथिला मखाना, मुजफ्फरपुर की शाही लीची, कतरनी चावल और भागलपुरी जर्दालु आम के मूल्य संवर्धन (Value Addition) और सीधे वैश्विक निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बिहार सरकार ने नई वित्तीय प्रोत्साहन योजना अधिसूचित की है। इसके तहत आधुनिक प्रसंस्करण और कोल्ड-चेन इकाइयां स्थापित करने वाले उद्यमियों को विशेष सब्सिडी दी जाएगी।

English Headline: Bihar Forest and Climate Change Department Initiates High-Resolution Geospatial Mapping of Wetland Ecosystems Across Gandak-Kosi Basin.
हिन्दी अनुवाद: बिहार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने गंडक-कोसी बेसिन में आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र की उच्च-सटीक भू-स्थानिक मैपिंग शुरू की।
उत्तर बिहार की संवेदनशील आर्द्रभूमियों (Wetlands) और प्राकृतिक जल संचयन क्षेत्रों के दीर्घकालिक संरक्षण के लिए वन विभाग ने सैटेलाइट और रिमोट सेंसिंग सर्वेक्षण अभियान शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक जल निकायों के अतिक्रमण को रोकना, जलीय जैव विविधता का संरक्षण और क्षेत्रीय भूजल स्तर को पुनर्बहाल करना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Archery Contingent Tops Medal Tally at World Archery Cup Stage Finals with Multiple Gold Medals in Compound Events.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय तीरंदाजी दल ने कंपाउंड स्पर्धाओं में कई स्वर्ण पदकों के साथ विश्व तीरंदाजी कप चरण फाइनल की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी महासंघ (WA) की विश्व कप चरण प्रतियोगिता में भारतीय तीरंदाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में शीर्ष वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदियों को हराकर स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत ने समग्र पदक तालिका में अपना पहला स्थान बरकरार रखा।

English Headline: International Table Tennis Federation (ITTF) Formally Integrates AI-Driven Sensor Analytics for Ball Edge and Bounce Accuracy in Global Circuit.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (ITTF) ने वैश्विक सर्किट में बॉल एज और बाउंस सटीकता के लिए एआई-संचालित सेंसर एनालिटिक्स को औपचारिक रूप से एकीकृत किया।
मैच के दौरान अंपायरिंग निर्णयों को त्रुटिहीन और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से आईटीटीएफ ने नई तकनीकी नियमावली लागू की है। टेबल के किनारों और बेसलाइन पर लगे उच्च-सटीक सेंसर सूक्ष्म संपर्कों का त्वरित विश्लेषण करके अंपायरों को निष्पक्ष निर्णय लेने में सहायता करेंगे।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

एक पत्र, कई एहसास

(विश्व पत्र लेखन दिवस विशेष)

विद्यालय की हिंदी कक्षा में मालती मैडम ने बच्चों से पूछा, "बच्चों, क्या तुममें से किसी ने कभी अपने हाथ से किसी को पत्र लिखा है?"

कक्षा में कुछ ही हाथ उठे। अजय ने कहा, "मैडम, अब पत्र कौन लिखता है? मोबाइल पर संदेश भेजना बहुत आसान है।"

मालती मैडम मुस्कुराईं और बोलीं, "तुम्हारी बात सही है। आज मोबाइल, ई-मेल और इंटरनेट के कारण संदेश कुछ ही सेकंड में दुनिया के किसी भी कोने तक पहुँच जाता है। लेकिन एक समय ऐसा था, जब दूर रहने वाले लोगों तक समाचार और भावनाएँ पहुँचाने का सबसे विश्वसनीय माध्यम पत्र हुआ करता था।"

उन्होंने बच्चों को बताया कि 1 सितम्बर को विश्व पत्र लेखन दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें हाथ से पत्र लिखने की कला और उसके भावनात्मक महत्व की याद दिलाता है। मोबाइल आने से पहले लोग परिवार के सदस्यों, मित्रों और रिश्तेदारों को नियमित रूप से पत्र लिखा करते थे। किसी घर में डाकिया का आना भी खुशी का अवसर होता था।

मालती मैडम ने कहा, "पत्र केवल समाचार देने का माध्यम नहीं थे। सैनिक अपने परिवार को पत्र लिखते थे, विद्यार्थी अपने माता-पिता को छात्रावास से पत्र भेजते थे और लोग सुख-दुख की बातें कागज पर लिखकर अपनों तक पहुँचाते थे। आज भी पत्रों की अपनी विशेष उपयोगिता है। किसी प्रिय व्यक्ति को हाथ से लिखा पत्र, शुभकामना संदेश, धन्यवाद पत्र या क्षमा याचना—इनका भाव साधारण मोबाइल संदेश से कहीं अधिक गहरा हो सकता है।"

अजय ने पूछा, "मैडम, जब मोबाइल इतना तेज है, तो हमें पत्र लिखना क्यों सीखना चाहिए?"

मालती मैडम ने कहा, "क्योंकि पत्र लिखना हमें अपनी बात सोच-समझकर कहना, भावनाओं को सुंदर ढंग से व्यक्त करना और रिश्तों को महत्व देना सिखाता है। पत्र जल्दबाजी में लिखा संदेश नहीं होता, उसमें मन की सच्चाई और अपनापन बसता है।"

उस दिन बच्चों ने समझा कि तकनीक बदलने के बाद भी हाथ से लिखे शब्दों का महत्व समाप्त नहीं हुआ है।

संदेश: "पत्र केवल कागज पर लिखे शब्द नहीं, बल्कि भावनाओं और रिश्तों को समय के पार जोड़ने वाला सुंदर माध्यम हैं।"

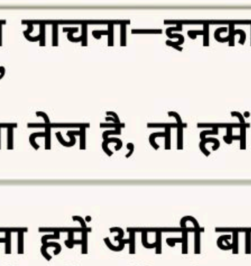

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण॰ बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो ॰ जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगिण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक,

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : औरंगाबाद, अंक–1"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: रोहतास: कैमूर का पठार, सोन का पाट और शाहाबाद का जलोढ़ मैदान

भौगोलिक, प्रशासनिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से रोहतास शाहाबाद (पटना प्रमंडल) का सबसे समृद्ध और विविध भू-आकृति वाला ज़िला है। वर्ष 1972 में प्राचीन शाहाबाद ज़िले से विभाजित होकर स्वतंत्र अस्तित्व में आए इस ज़िले का प्रशासनिक मुख्यालय ऐतिहासिक शहर सासाराम है। इसकी भौगोलिक सीमाएं उत्तर में भोजपुर और बक्सर, पूर्व में सोन नदी के पार औरंगाबाद व जहानाबाद, दक्षिण में झारखंड के पलामू व गढ़वा तथा पश्चिम में कैमूर (भभुआ) ज़िले को स्पर्श करती हैं। ग्रैंड ट्रंक रोड (NH-19) और पंडित दीनदयाल उपाध्याय–गया ग्रैंड कॉर्ड रेलखंड पर स्थित होने के कारण यह पूर्वी भारत को उत्तरी भारत से जोड़ने वाला एक अनिवार्य सामरिक प्रवेश द्वार है।

इस ज़िले के संपूर्ण भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता इसका अनूठा द्वैध भू-आकृतिक स्वरूप (Dual Geomorphological Structure) है। ज़िले का उत्तरी और पूर्वी भाग सोन नदी और उसकी सहायक नहरों द्वारा निर्मित समतल, अत्यधिक उपजाऊ जलोढ़ मैदान (Alluvial Plain) है, जबकि दक्षिणी और पश्चिमी भाग कैमूर पठार (Kaimur Plateau) की सघन, विंध्यन बलुआ पत्थर (Sandstone) और चूना पत्थर (Limestone) से युक्त कटी-फटी पहाड़ियों और घाटियों से आच्छादित है।

रोहतास का जल-प्रवाह तंत्र मुख्य रूप से सोन नदी, काव नदी और दुर्गावती नदी की जलधाराओं से नियंत्रित होता है। कैमूर की पहाड़ियों से उतरते समय ये बरसाती नदियाँ अनेक मनोहारी और विशाल जलप्रपातों का निर्माण करती हैं, जिनमें धुआं कुंड (Dhua Kund), मांझर कुंड (Manjhar Kund), तुतला भवानी प्रपात और कशिश जलप्रपात प्रमुख हैं। ये प्राकृतिक प्रपात न केवल स्थानीय जल-पुनर्भरण का स्रोत हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र की सूक्ष्म-जलवायु को भी नियंत्रित करते हैं।

यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय मानसूनी है। कैमूर पहाड़ियों पर सघन पर्णपाती वन फैले हैं, जो इमारती लकड़ी, केंदू पत्ता और जड़ी-बूटियों का समृद्ध भंडार हैं। मैदानी भागों में 'केवाल' और 'दोमट' मिट्टी का विस्तार है, जहाँ सोन नहर प्रणाली (Son Canal System) के सघन जाल ने रोहतास को पूरे बिहार में सर्वाधिक कृषि उत्पादकता वाला ज़िला बना दिया है। यही कारण है कि इसे राज्य का 'धान का कटोरा' (Rice Bowl of Bihar) कहा जाता है। परंतु, पहाड़ी क्षेत्रों में मानसूनी क्षरण और वनों का संरक्षण यहाँ के पर्यावरण प्रबंधन के समक्ष एक निरंतर भौगोलिक चुनौती प्रस्तुत करता है।

कैमूर के विंध्यन पठारों, कलकल बहते जलप्रपातों और सोन नहरों से लहलहाते मैदानी भूगोल का यह प्रामाणिक विश्लेषण दक्षिण-पश्चिमी बिहार के पारिस्थितिकी तंत्र और प्राकृतिक संसाधनों को समझने के लिए एक संपूर्ण वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org